सत्यमेव जयते

राजभवन सूचना परिसर, उत्तराखण्ड

प्रेसविज्ञप्ति

बसन्तोत्सव 2012—राज्यपाल 03 मार्च को प्रातः 11:00 बजे करेंगी दो दिवसीय पुष्प प्रदर्शनी का उद्घाटन।

देहरादून 03 मार्च, 2012:—विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी उद्यान विभाग द्वारा राजभवन में ''**बसन्तोत्सव**'' का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन का उद्देश्य केवल पुष्पों की विभिन्न प्रजातियों का प्रदर्शन नहीं अपितु प्रकृति के इस अलंकार के माध्यम से लोगों में सौंदर्य बोध की अनुभूति जागृत करना और उस अनुभूति को विस्तार देने के लिए उसे आजीविका से जोड़ना भी है। 03 मार्च को राज्यपाल श्रीमती मार्ग्रेट आल्वा द्वारा **बसन्तोत्सव 2012** का उद्घाटन किया जायेगा तत्पश्चात राज्यपाल डाक तार विभाग द्वारा विशेष रूप से तैयार प्रथम दिवस आवरण के टिकट (First day Cover) जिसपर **'फ्यूँली'** पुष्प को दर्शाया गया है, का विमोचन तथा सम्पूर्ण प्रदर्शनी का अवलोकन किया जायेगा।

राज्यपाल के प्रमुख सचिव श्री अशोक ने आज राजभवन सचिवालय के सभा कक्ष में मीडिया को सम्बोधित करते हुए कहा कि पुष्प प्रदर्शनी का उद्देश्य केवल पुष्पों का प्रदर्शन नही बल्कि उससे जुड़ी विभिन्न गतिविधियों तथा तकनीक को प्रोत्साहित करना तथा उसकी जानकारी आम आदमी तक पहुँचाना भी है। उन्होंने बताया कि इस प्रदर्शनी के माध्यम से प्रत्येक वर्ष जनमानस से जुड़ी किसी विशेष समस्या को केन्द्र में रखकर जन—जागृति का संदेश देने का प्रयास किया जाता है। इस वर्ष का विषय ''**कुपोषण**'' है। प्रदर्शनी में ''**हैस्को**'' तथा ''**नवदान्या**'' के माध्यम से यह बताने का प्रयास किया जा रहा है कि पर्वतीय क्षेत्र में उपलब्ध स्थानीय संसाधनों/खाद्य पदार्थों का सही ढंग से उपयोग ''**कुपोषण**'' समाप्ति में सहायक हो सकता है।

प्रमुख सचिव ने यह भी बताया कि पृथक राज्य बनने के बाद राज्य की भौगोलिक परिस्थितियों के अनुकूल पुष्प उत्पादन को व्यावसायिक गतिविधि से जोड़कर इसे काश्तकारों की आमदनी का सतत स्रोत बनाने के प्रयास किये जा रहे हैं। प्रदर्शनी के माध्यम से काश्तकारों को पुष्पोत्पादन की नई तकनीक, उन्नत तथा व्यावसायिक दृष्टि से लाभकारी प्रजाति के पुष्पों की जानकारी दी जा रही है।

प्रमुख सचिव श्री राज्यपाल ने बताया कि प्रदर्शनी को आम जनता के बीच लोकप्रिय, आकर्षक, सार्थक व बहुआयामी बनाने के प्रयासों के क्रम में राज्य के कुटीर उद्योग, कला, संस्कृति (विशेषतः महिलाओं से जुड़ी) को प्रदर्शित करने के साथ ही पालीथीन के प्रयोग को हतोत्साहित करने के लिए जूट एवं कपड़े से बने थैलों के प्रयोग को प्रोत्साहन देने के लिए स्वयंसेवी समूह की महिलाओं द्वारा निर्मित थैलों का स्टाल सहित जूट काउंसिल ऑफ इण्डिया तथा आधार संस्था द्वारा भी स्टाल लगाये जायेंगे। उन्होंने राज्य की लोक कला एवं परम्परागत संस्कृति को उजागर करने के लिए भी इस आयोजन को एक अच्छा अवसर बताया।

मीडिया प्रतिनिधियों को प्रमुख सचिव उद्यान श्री ओम प्रकाश द्वारा भी सम्बोधित किया गया। उन्होंने 3 व 4 मार्च के ''**वसंतोत्सव**'' के कार्यक्रमों तथा उद्देश्यों पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए बताया कि मनुष्य के दैनिक जीवन की व्यस्तता व संघर्ष से उत्पन्न नीरसता को कम करने में फूलों की बहुत बड़ी भूमिका होती है। इसे जीविकोपार्जन से जोड़ने के लिए प्रतिवर्ष प्रदर्शनी में नये आयाम जोड़े जा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि राज्य गठन के समय मात्र 150 हैक्टेयर में फूलों की खेती होती थी, जो अब 1375 हैक्टेयर तक विस्तृत हो चुकी है। प्रदर्शनी में निरन्तर बढ़ती प्रतिभागियों की संख्या इस बात का प्रतीक है कि यह प्रदर्शनी निरन्तर उपयोगी तथा लोकप्रिय होती जा रही है। उन्होंने बताया कि बसंतोत्सव के लिए निर्धारित कार्यक्रमों के अन्तर्गत पुष्प प्रदर्शनी से जुड़ी फोटोग्राफी, फूल की पंखुड़ियों की रंगोली, बच्चों की चित्रकला प्रतियोगिता के साथ ही व्यावसायिक पुष्प उत्पादकों, सरकारी संस्थानों सहित व्यक्तिगत और गैर सरकारी संस्थानों पुष्प उत्पादकों की भागीदारी विशेष रूप से सुनिश्चित की गई है। बसंतोत्सव के अनुरूप सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन तथा उत्तराखण्ड के व्यंजन परोसने के लिए फूड कोर्ट भी बनाया गया है।

प्रमुख सचिव ने यह भी बताया कि इस वर्ष की पुष्प प्रदर्शनी में पुष्प प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागियों हेतु 08 श्रेणी के पुरस्कार रखे गये हैं। आज के कार्यक्रम में अपर सचिव उद्यान श्री जी.एस.पाण्डे तथा निदेशक उद्यान सहित अन्य संबंधित अधिकारी भी उपस्थित थे।

मुख्य आकर्षण

- **पुष्प प्रदर्शनी में आगंतुकों का प्रवेश निःशुल्क है।**
- **03 मार्च को उद्घाटन के पश्चात 12 बजे से सांय 6:00 बजे तक जनसामान्य के लिए प्रदर्शनी खुली रहेगी।**
- **03 मार्च की सायं सायं 7:00 बजे से राजभवन प्रेक्षागृह में लोक कलाकारो द्वारा उत्तराखण्ड की समृद्ध संस्कृति का प्रदर्शन किया जायेगा। सांस्कृतिक संध्या का शुभारम्भ राज्यपाल की गरिमामय उपस्थिति में लोक गायिका बसंती बिष्ट के मंगलाचार से होगा।**
- **04 मार्च को यह प्रदर्शनी प्रातः 10 बजे से सांय 5:00 बजे तक खुली रहेगी। 05 बजे पुरस्कार वितरण होगा तथा 06:00 बजे से राजभवन के हरित प्रांगण में लोक कलाकारों का नृत्य प्रस्तुत किया जायेगा।**
- **हैस्को तथा नवदान्या संस्था द्वारा विभिन्न तकनीकों का प्रदर्शन।**
- **व्यावसायिक पुष्प उत्पादकों तथा पुष्प प्रेमियों द्वारा अपने प्रदर्शों का प्रदर्शन एवं प्रतियोगिता।**
- **फूल, फल, सब्जियों के पौटेड प्लांट, ताजे एवं सूखे फूलों की सजावट, माला आदि की प्रतियोगिता।**
- **कुपोषण पर आधारित विशेष थीम का प्रदर्शन**
- **जैविक उत्पादों, दुग्ध उत्पादों, औद्यानिक निवेश, चाय, जड़ीबूटी, बांस आदि से संबंधित 86 स्टाल्स लगेंगे।**
- **बसंतोत्सव 2012 में पौलीथीन का प्रयोग पूर्णतः प्रतिबंधित है।**

सूचना अधिकारी श्री राज्यपाल, उत्तराखण्ड मो0—9456590619 टेली फैक्स 0135—2756172